दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शनिवार 15 मई 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 224

महत्वपूर्ण एवं खास

अब तक सुप्रीम कोर्ट के 10 और हाईकोर्ट के 106 जज संक्रमित

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना ने जानकारी दी कि पिछले साल अप्रैल से लेकर अबतक सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के कई न्यायमूर्ति कोरोना की चपेट में आ गए हैं। उन्होने जानकारी दी कि तीन स्तरीय न्यायिक सिस्टम संकट के दौर में भी अपना मुख्य काम न्याय देने पर जोर दे रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले साल अप्रैल से लेकर अबतक 2,768 न्यायिक अधिकारी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और जबकि कामकाज करने वाले कुल लोगों की तादाद 18000 है। इसके अलावा कोरोना वायरस ने देश के सभी हाईकोर्ट के 106 जजों को भी संक्रमित कर दिया है। देश में हाईकोर्ट के जजों की संख्या 660 है, इसका मतलब यह हुआ कि कोरोना वायरस से अबतक हाईकोर्ट के 15 फीसदी न्यायमूर्ति संक्रमित हो चुके हैं। यही नहीं कोरोना वायरस ने देश के उच्चतम न्यायालय के न्यायधीशों को भी नहीं छोड़ा है। पिछले एक साल के अंतराल में सुप्रीम कोर्ट के दस जज कोरोना वायरस की चपेट में आ गए हैं। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के दस जजों के संक्रमित होने के बाद उच्चतम न्यायालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अहम मुद्दों पर सुनवाई जारी है। इसके अलावा उन्होंने जानकारी दी कि कोरोना की वजह से हमारे तीन अधिकारियों का निधन हो गया है।

असम में आकाशीय बिजली गिरने से 18 हाथियों की मौत

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम के नगांव जिले में जंगल में आकाशीय बिजली गिरने से 18 हाथियों की मौत हो गई। दो झुंडों में हाथियों के शव मिले। इनमें से 14 शव पहाड़ी के ऊपर जबकि चार पहाड़ी के निचले हिस्से में मिले। नागांव-कर्बी आंगलोंग सीमा के पास एक जंगली पहाड़ी के ऊपर ये हादसा हुआ है। ये काफी दूर और दुर्गम इलाका है। वन विभाग की टीम को पहुंचने में 24 घंटे का समय लगा। प्राथमिक जांच के आधार पर पता चला है कि आसमानी बिजली गिरने की वजह से इन हाथियों तेज झटका लगा। जिससे इनकी मौत हो गई। सही वजह का पता पोस्टमार्टम के बाद चलेगा।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को ईद-उल-फितर की दी बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को ईद-उल-फितर के अवसर पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक ट्वीट में लिखा, ईद-उल-फितर के शुभ अवसर पर शुभकामनाएं। मैं सभी के अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रार्थना करता हूं। हम एकजुट होकर संयुक्त प्रयासों से वैश्विक महामारी को दूर कर सकते हैं और मानव कल्याण को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं।

देश में जारी है कोरोना संक्रमण का कोहराम, 24 घंटे में आए 3.43 लाख से ज्यादा नए मामले, 3994 की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में कोरोना वायरस का कहर जारी है, लेकिन रोजना उतार चढ़ाव के साथ मामले घट बढ़ रहे हैं उसी के तहत पिछले एक दिन में थोड़ी सी राहत देखने को मिली और पिछले 24 घंटे में 3,43,288 नये मामले सामने आए हैं। जबकि कोरोना वायरस संक्रमण से 3994 लोगों ने दम तोड़ दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार शुक्रवार को जारी आंकड़े के अनुसार देश में में कोविड से होने वाली मौतों की संख्या में लगातार इजाफा होने से दहशत का माहौल बना हुआ है। अब तक देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,40,46,809 हो गई है। जबकि कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वाले लोगों का आंकड़ा 2,62,239 पहुंच गया है। गई है। वहीं पिछले एक दिन के दौरान 3,37,487 मरीज ठीक होकर अपने घरों में जा चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 37,10,525 मरीजों का अब भी इलाज चल रहा है जो कुल मामलों का 15.65 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर कुछ सुधरकर 83.26 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 1,97,34,823 हो गई है, जबकि संक्रमण से मृत्यु दर 1.09 फीसदी दर्ज की गई है।

भारत में अब तक दो करोड़ से अधिक लोग कोरोना से हुए स्वस्थ, पिछले 24 घंटों में 3,44,776 रिकवरी दर्ज की गई

नई दिल्ली (आरएनएस)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में भारत की कुल रिकवरी आज दो करोड़ (2,00,79,599) से अधिकहो गई है। राष्ट्रीय रिकवरी दर 83.50 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में 3,44,776 रिकवरी दर्ज की गई।बीते चार दिनों में से तीसरी बार दैनिक नए मामलों की तुलना में नई रिकवरी की संख्या अधिक रही। नई रिकवरी के 71.16प्रतिशत में दस राज्यों की भागीदारी है। देश में कुल सक्रिय मामलों की संख्या आज घटकर 37,04,893 रह गई।यह देश में कुल पॉजिटिव मामलों का 15.41 प्रतिशत है। बीते चौबीस घंटे में कुल सक्रिय मामलों में 5,632 मामलों की गिरावट दर्ज की गई। भारत के कुल सक्रिय मामलों में से 79.7 प्रतिशत मामले 12 राज्यों से हैं।

केंद्र सरकार समग्र सरकार के दृष्टिकोण के तहत वैश्विक सहायता को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक अविलंब आवंटित करने और पहुंचाने के लिए लगातार कार्यरत है। अभी तक प्राप्त 9,294 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स, 11,835 ऑक्सीजन सिलेंडर, 19ऑक्सीजन जेनेरेशन प्लांट, 6,439 वेंटिलेटर/बीआई पीएपी तथा लगभग 4.22 लाख रेमडेसिविर शीशियां राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सड़क तथा हवाई मार्ग से वितरित/भेजे जा चुके हैं

दूसरी तरफ, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण कवरेज के तीसरेचरण के तहत देश में लगाये गए कोविड-19 टीकों की कुल संख्या आज लगभग18करोड़ से अधिक हो गई है।

आज सुबह 7बजे की अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार 26,02,435 सत्रों के जरिये कुल मिला कर 17,92,98,584टीके लगाये जा चुके हैं। इनमें 96,18,127 एचसीडब्ल्यू शामिल हैं जिन्होंने पहली खुराक ली है जबकि 66,04,549 एचसीडब्ल्यू ने दूसरी खुराक प्राप्त की है,1,43,22,390 एफएल्डब्ल्यू (पहली खुराक)81,16,153 एफएल्डब्ल्यू (दूसरी खुराक)18-45 आयु समूह के 39,26,334 लाभार्थियों ने पहली खुराकऔर 45 से 60 वर्ष कीआयु के बीच के 5,66,09,783लाभार्थियों ने पहली खुराक तथा 85,39,763 लाभार्थियों ने दूसरी खुराक प्राप्त की है। 60 वर्ष से अधिक आयु के 5,42,42,792 लाभार्थियों ने पहली खुराक तथा 1,73,18,693 लाभार्थियों ने दूसरी खुराक प्राप्त की है।

अभी तक देश में लगाये गए कुल टीकों के 66.75 प्रतिशत में दस राज्यों की भागीदारी है। पिछले 24 घंटों में 18-44आयु समूह के 4,40,706लाभार्थियों ने कोविड टीके की अपनी पहली खुराक प्राप्त की और टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण के आरंभ से 32राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मिलाकर 39,26,334ऐसे लाभार्थी टीकों की खुराक प्राप्त कर चुके हैं। नीचे दी गई टेबल अभी तक 18-45 आयु समूह के लाभार्थियों को लगाये गए कुल टीकों की संख्या प्रदर्शित करती है। पिछले 24 घंटों के दौरान 20लाख से अधिक टीकों की खुराकें दी गई।

टीकाकरण अभियान के 118वें दिन (13मई,2021) को 20,27,162टीके लगाये गए। 18,624सत्रों में 10,34,304 लाभार्थियों को पहली खुराक दी गई तथा 9,92,858 लाभार्थियों ने अपनी दूसरी खुराक प्राप्त की।

नीचे दिया गया देश में जांच में वृद्धि को दर्शाता है,जो आज कुल 31 करोड़ से अधिक रही। संचयी पॉजिटिविटी दर भी बढ़कर 7.72 प्रतिशत हो गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान 3,43,144नए मामले दर्ज किए गए। पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज किए गए नए मामलों के 72.37प्रतिशत में दस राज्यों की भागीदारी है।

महाराष्ट्र ने 42,582मामलों के साथ दैनिक नए मामलों की सर्वाधिक संख्या दर्ज कराई है। 39,955मामलों के साथ केरल दूसरे स्थान पर है जबकि कर्नाटक ने35,297नए मामले दर्ज कराये हैं। राष्ट्रीय मृत्यु दर वर्तमान में 1.09 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों के दौरान 4000मौतें दर्ज की गई। नई मौतों के 72.70प्रतिशत में दस राज्यों की भागीदारी है। महाराष्ट्र में सर्वाधिक मौतें (850) दर्ज की गई जबकि 344दैनिक मौतों के साथ कर्नाटक दूसरे स्थान पर रहा।

जल्द दूर होगी वैक्सीन की किल्लत

» अब दूसरी कंपनी भी बनाएगी कोवैक्सिन

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार और हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक अन्य कंपनियों को आमंत्रित करने के लिए तैयार हैं, जो कोवैक्सिन का उत्पादन करने में मदद करना चाहते हैं। एक शीर्ष सरकारी सलाहकार ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। आपको बता दें कि में भारत कोरोनो वायरस के टीके की कमी से जूझ रहा है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने कहा कि लोग कहते हैं कि कोवैक्सिन के निर्माण की जिम्मदेरी अन्य कंपनियों को भी दी जानी चाहिए। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि चर्चा के दौरान कोवैक्सीन निर्माण कंपनी (भारत बायोटेक) ने इसका स्वागत किया है। डॉ. पॉल ने कहा इस वैक्सीन की मदद से एक जीवित वायरस को निष्क्रिय कर दिया जाता है। यह केवल बीएसएल3 (बायोसेफ्टी लेवल) प्रयोगशालाओं में ही तैयार किया जाता है। प्रत्येक कंपनी के पास यह नहीं है। वे कंपनियां जो कोवैक्सिन का निर्माण करना चाहती हैं हम उन्हें खुला निमंत्रण देते हैं। इसे एक साथ करना चाहिए। केंद्र सहायता करेगा ताकि क्षमता बढ़ाई जा सके। डॉ. पाल का बयान उस दिन आया जब सरकार ने घोषणा की कि इस साल अगस्त से दिसंबर के बीच कोरोनो वायरस टीकों की 200 करोड़ से अधिक खुराक बनने की उम्मीद है। आपको बता दें कि विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि सरकार ने वैक्सीन योजना को गलत तरीके से पेश किया था।

कोरोना के 72 प्रतिशत नए मामले 10 राज्यों से

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश उन 10 राज्यों में शामिल हैं जहां पिछले 24 घंटे में सामने आए 3,62,727 नए मामलों में से 72.42 प्रतिशत मामले दर्ज किए गए हैं। केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान भी इन 10 राज्यों की सूची में शामिल हैं। महाराष्ट्र से एक दिन में 46,781 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद केरल में 43,529 जबकि कर्नाटक में 39,998 नए मामले दर्ज किए गए। मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय मृत्यु दर फिलहाल

1.09 प्रतिशत है। मौत के नए मामलों में से 74.30 प्रतिशत मामले 10 राज्यों में हैं। स्वस्थ होने वाले नए मरीजों में से 72.90 प्रतिशत भी 10 राज्यों में हैं।

■ **सक्रीय मरीजों की संख्या में इजाफा-** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 37,10,525 मरीजों का अब भी इलाज चल रहा है जो कुल मामलों का 15.65 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर कुछ सुधरकर 83.26 प्रतिशत हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक, बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 1,97,34,823 हो गई है, जबकि संक्रमण से मृत्यु दर 1.09 फीसदी दर्ज की गई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के मुताबिक, 12 मई तक 30,94,48,585 नमूनों की जांच की गई है जिनमें से 18,6,594 नमूनों की बुधवार को जांच की गई।

■ **दस राज्यों में ज्यादा नए मामले-** दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश उन 10 राज्यों में शामिल हैं जहां पिछले 24 घंटे में सामने आए नए मामलों में से 72.42 प्रतिशत मामले दर्ज किए गए हैं। केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान भी इन 10 राज्यों की सूची में शामिल हैं। महाराष्ट्र से एक दिन में 46,781 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद केरल में 43,529 जबकि कर्नाटक में 39,998 नए मामले दर्ज किए गए।

अदृश्य दुश्मन कोरोना की ग्रामीण क्षेत्रों में दस्तक चिंताजनक : मोदी

» लोगों को कोविड बचाव के उपायों का अनुसरण करने का आव्हान

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी अब देश के ग्रामीण इलाकों में तेजी से पांव पसार रही है। इसके मद्देनजर उन्होंने लोगों से मास्क पहनने और उचित दूरी का पालन करने सहित बचाव के उपायों का अनुसरण करने का आग्रह किया।

कोविड-19 महामारी को एक 'अदृश्य दुश्मन' करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार इस महामारी की दूसरी लहर से मुकाबले के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि देश इस

लड़ाई में विजय हासिल करेगा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम किसान) के तहत आर्थिक लाभ की आठवीं किस्त जारी करने के बाद वीडियो कांफ्रेंस के जरिये से एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे मोदी ने टीके को कोरोना से बचाव का बहुत बड़ा माध्यम बताते हुए कहा कि देश भर में टीकों की 18 करोड़ से अधिक खुराक लोगों को दी जा चुकी है।

इस अवसर पर उन्होंने राज्यों से दवाओं और ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसान सम्मान निधि के तहत 9.5 करोड़ किसानों को 19,000 करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ सीधे उनके बैंक खातों में पहुंचाया गया है। बंगाल के किसानों को पहली बार यह लाभ मिल रहा है। योजना के तहत अब तक किसानों को 1.35 लाख करोड़ रुपये पहुंच चुके हैं। कोरोना काल के ही दौरान 60 हजार करोड़ रुपये किसानों को पहुंचाये गये। उन्होंने कहा कि कोरोना से वह सभी को आगाह कर रहे ह कि कि यह महामारी तेजी से अब ग्रामीण क्षेत्रों में फैल रही है। सभी सरकारें इसे रोकने के लिए प्रयास कर रही हैं। इसके बारे में ग्रामीण जनता में जागरूकता जितनी जरूरी है, पंचायतों का सहयोग भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि आपने कभी हमें निराश नहीं किया है। हम उम्मीद करते हैं इस बार भी आप लोग निराश नहीं करेंगे। मास्क पहनकर और उचित दूरी का पालन कर इस महामारी से बचाव के सारे उपाय करेंगे। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि महामारी से संक्रमण के कोई भी लक्षण दिखने पर वह उसे हल्के में ना लें और सही समय पर जांच कराएं और चिकित्सकों की सलाह पर उपचार करें।

वैक्सीन लगवाने वाले लोगों पर उसके प्रभाव की होगी समीक्षा

» जल्द होगी राष्ट्रीय निगरानी मंच की स्थापना

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 रोधी टीका लगवाने वाले लोगों पर उसके प्रभाव का पता लगाने और पहला तथा दूसरा टीका लगने के बाद लोगों में सभावित संक्रमण निर्धारित करने के लिए जल्द एक राष्ट्रीय निगरानी मंच की स्थापना की जाएगी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ऐसा मंच स्थापित करने के लिए 'नेशनल टेक्नीकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्युनाइजेशन' (टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह) की सिफारिशों को टीकाकरण के राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह और केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्वीकार कर लिया है। 'आईएनसीएलईएन ट्रस्ट' के प्रमुख डॉ. एनके अरोड़ा ने कहा कि कोविड-19 कार्य-दल, जो 'नेशनल टेक्नीकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्युनाइजेशन' (एनटीएजीआई) का हिस्सा है, उसने कोविड-19 रोधी टीका लगवाने वाले लोगों पर उसके प्रभाव का पता लगाने और पहला तथा दूसरा टीका लगने के बाद लोगों में सभावित संक्रमण निर्धारित करने के लिए जल्द एक राष्ट्रीय निगरानी मंच की स्थापना की जाने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि 'कोविशील्ड' टीके की दो खुराक के बीच के समय को बढ़ाने के बाद उसके प्रभाव पर नजर रखना जरूरी हो गया है।

कोविड-19 मरीजों में पाए जा रहे फंगल संक्रमण, म्यूकोर्मिकोसिस से रहे सुरक्षित

नई दिल्ली (आरएनएस)। अब जब हम खुद को कोविड-19 से बचाने और उससे लड़ने की पूरी कोशिश कर रहे हैं,फंगस से पैदा होने वाला एक और खतरा सामने आया है जिसके बारे में हमें जानना चाहिए एवं उस पर कार्रवाई करनी चाहिए। म्यूकोर्मिकोसिस, एक फंगल संक्रमण है जोकुछ कोविड-19 मरीजों में बीमारी से ठीक होने के दौरान या बाद में पाया जा रहा है। दो दिन पहले महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दिए गए एक बयान के अनुसार, राज्य में इस फंगल संक्रमण से पहले ही 2000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं; 10 लोगों ने तो इसकी चपेट में आकर दम भी तोड़ दिया। कुछ मरीजों की आंखों की

रोशनी भी चली गई।

■ **म्यूकोर्मिकोसिस कैसे होता है-** म्यूकोर्मिकोसिस या ब्लैक फंगस, फंगल संक्रमण से पैदा होने वाली जटिलता है। लोग वातावरण में मौजूदफंगस के बीजाणुओं के संपर्क में आने से म्यूकोर्मिकोसिस की चपेट में आते हैं। शरीर पर किसी तरह की चोट, जलने, कटने आदि के जरिए यह त्वचा में प्रवेश करता है और त्वचा में विकसित हो सकता है। कोविड-19 से उबर चुके हैं या ठीक हो रहे मरीजों में इस बीमारी के होने का पता चल रहा है। इसके अलावा, जिसे भी मधुमेह है और जिसकी प्रतिरक्षा प्रणाली ठीक से काम नहीं कर रही है, उसे इसे लेकर सावधान रहने की जरूरत है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा जारी किए गए एक परामर्श के अनुसार, कोविड-19 रोगियों में निम्नलिखित दशाओं से म्यूकोर्मिकोसिस संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है:-

- अनियंत्रित मधुमेह
- स्टेरॉयड के उपयोग के कारण प्रतिरक्षा प्रणाली का कमजोर होना
- लंबे समय तक आईसीयू/अस्पताल में रहना
- सह- रुग्णता/अंग प्रत्यारोपण के बाद/कैंसर
- वोरिकोनाजोल थेरेपी (गंभीर फंगल संक्रमण का इलाज करने के लिए इस्तेमाल की जाती है)

■ **इसका कोविड-19 से क्या संबंध है-** यह बीमारी म्यूकोर्मिसेट्स नामक सूक्ष्म जीवों के एक समूह के कारण होती है, जो पर्यावरण में प्राकृतिक रूप से मौजूद होते हैं, और ज्यादातर मिट्टी में तथा पत्तियों, खाद एवं ढेरों जैसे कार्बनिक पदार्थों के क्षय में पाए जाते हैं। सामान्य तौर पर, हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली ऐसे फंगल संक्रमण से सफलतापूर्वक लड़ती है लेकिनहम जानते हैं कि कोविड-19 हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है। इसके अलावा, कोविड-19 मरीजों के उपचार में डेक्सामेथासोन जैसी दवाओं का सेवन शामिल है, जो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली की प्रतिक्रिया पर असर डालता है। इन कारकों के कारण कोविड-19 मरीजों को म्यूकोर्मिसेट्स जैसे सूक्ष्म जीवों के हमले के खिलाफ लड़ाई में विफल होने के नए खतरे का सामना करना पड़ता है।

इसके अलावा, आईसीयू में ह्यूमिडिफायर का उपयोग किया जाता है, वहां ऑक्सीजन थेरेपी ले रहे कोविड मरीजों को नमी के संपर्क में आने के कारण फंगल संक्रमण का खतरा होता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर कोविड मरीज म्यूकोर्मिकोसिस से संक्रमित हो जाएगा। जिन मरीजों को मधुमेह नहीं है, उन्हें यह बीमारी होना असामान्य है लेकिन अगर तुरंत इलाज न किया जाए तो यह घातक हो सकता है। ठीक होने की संभावना बीमारी के जल्दी पता चलने और उपचार पर निर्भर करती है।

■ **सामान्य लक्षण क्या हैं-** हमारे माथे, नाक, गाल की हड्डियों के पीछे और आंखों एवं दांतों के बीच स्थित एयर पॉकेट में त्वचा के संक्रमण के रूप में म्यूकोर्मिकोसिस दिखने लगता है। यह फिर आंखों, फेफड़ों में फैल जाता है और मस्तिष्क तक भी फैल सकता है।